THE ENGLISH AND FOREIGN LANGUAGES UNIVERSITY, HYDERABAD

B.A. (Hons./Research) Hindi, SEMESTER - III : COURSE DESCRIPTION

August to December – 2026

Course title	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र Indian and Western Poetics
Category (Mention the appropriate category (a/b/c) in the course description.)	a. Existing course without changes
Course code	PAPER : BAHINC – 201
Semester	III
Number of credits	04
Maximum intake	20 (on first-come-first-served-basis for **BA courses only**)
Day/Time	Wednesday 9:00 am to 11:00 am & Friday 11:00 am to 1:00 pm
Name of the teacher/s	Dr. Pankaj Singh Yadav (GF)
Course description	**Include the following in the course description** i) यह पाठ्यक्रम भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की प्रमुख अवधारणाओं, सिद्धांतों तथा आलोचनात्मक परंपराओं से परिचित कराता है। **ii) उद्देश्य :** ▪ विद्यार्थियों को काव्य, उसके स्वरूप, आत्मा एवं रचना-प्रक्रिया से परिचित कराना। ▪ भारतीय काव्यशास्त्र की विकास-परंपरा एवं ऐतिहासिक निरंतरता का ज्ञान प्रदान करना। ▪ प्रमुख पाश्चात्य साहित्य सिद्धांतों तथा उनके विभिन्न विचार-प्रवाहों से परिचित कराना। ▪ साहित्यिक कृतियों के मूल्यांकन हेतु मौलिक, तुलनात्मक एवं आलोचनात्मक दृष्टि का विकास करना। **पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम) :** ▪ विद्यार्थी भारतीय काव्यशास्त्र की प्रमुख अवधारणाओं, सिद्धांतों तथा उसकी विकास-परंपरा को समझेंगे। ▪ भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्य सिद्धांतों की मूल मान्यताओं तथा उनके तुलनात्मक अध्ययन की जानकारी अर्जित करेंगे। ▪ साहित्यिक कृतियों के मूल्यांकन में प्रयुक्त विभिन्न काव्यशास्त्रीय मानदंडों से परिचित होंगे। ▪ प्रमुख भारतीय एवं पाश्चात्य आलोचकों की स्थापनाओं और साहित्यिक चिंतन का विश्लेषण करना जानेंगे। **iii) Learning Outcomes:** a) डोमेन स्पेसिफिक आउटकम्स (Domain Specific Outcomes) & b) वैल्यू एडिशन (Value Addition) ▪ भारतीय साहित्य के मूल्यांकन हेतु भारतीय काव्यशास्त्रीय मानदंडों का प्रभावी एवं समीक्षात्मक उपयोग कर सकेंगे। ▪ भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्य सिद्धांतों का तुलनात्मक एवं तार्किक विश्लेषण कर पाएँगे। ▪ साहित्यिक कृतियों का आलोचनात्मक मूल्यांकन करने में सक्षम होंगे। ▪ विभिन्न आलोचकों की स्थापनाओं और सैद्धांतिक अवधारणाओं को गहराई से समझ सकेंगे। **इकाई-1:** . ● काव्य- लक्षण, काव्य-हेतु, काव्य-प्रयोजन, काव्य की आत्मा, रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा, अलंकार सम्प्रदाय का परिचय और अलंकारों का वर्गीकरण।

	इकाई-2: ● रीतिसिद्धान्त- रीति-परिचय, काव्य-गुण, रीति-वर्गीकरण, वक्रोक्ति सिद्धान्त का परिचय, वर्गीकरण। **इकाई-3:** ● ध्वनि सिद्धान्त- ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि का वर्गीकरण, शब्द शक्तियाँ (अभिधा, लक्षणा, व्यंजना), औचित्य सिद्धान्त-परिचय भेद तथा महत्त्व। **इकाई-4:** ● हिन्दी काव्यशास्त्र का इतिहास, रीतिकालीन प्रमुख आचार्य केशवदास, भिखारीदास हिन्दी के प्रमुख आलोचक आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नन्ददुलारे वाजपेयी, हजारीप्रसाद द्विवेदी, डॉ. रामविलास शर्मा **इकाई 5:** ● प्लेटो का काव्य सिद्धान्त, अरस्तू का अनुकरण सिद्धान्त, विरेचन सिद्धान्त, लोंजाइनस की उदात्त अवधारणा। **इकाई-6:** ● वर्ड्सवर्थ का काव्यभाषा-सिद्धांत, कॉलरिज का कल्पना सिद्धांत, टी. एस. इलियट का निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ समीकरण। आई. ए. रिचर्ड्स का मूल्य सिद्धान्त एवं सम्प्रेषण सिद्धान्त। **इकाई-7:** ● शास्त्रीयतावाद, स्वच्छंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद। **इकाई-8:** ■ अस्तित्ववाद, नई समीक्षा, संरचनावाद, विखण्डनवाद, आधुनिकता, उत्तर आधुनिकतावाद।
Course delivery	Lecture/Seminar/Experiential learning ■ रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा ■ अरस्तू का अनुकरण सिद्धान्त, विरेचन सिद्धान्त।
Evaluation scheme	Internal (modes of evaluation): 40 % [Assignment (20), {Presentation (10), Class test (10) and Viva (10)} best of Two] End-semester (mode of evaluation): 60% Final Exam
Reading list	**Essential reading:** ■ सिंह, बच्चन, भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़ 1987 ■ मिश्र, भगीरथ, काव्यशास्त्र, विश्वविद्यालय, प्रकाशन वाराणसी, 1988 **Additional reading:** 1. तिवारी, डॉ. रामचन्द्र, भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, तृतीय संस्करण, 2010 2. शर्मा, देवेन्द्रनाथ, पाश्चात्य काव्यशास्त्र, मयूर पेपर बैक्स, नोएडा, 2002 3. जैन, निर्मला, पाश्चात्य साहित्य चिंतन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली 4. मिश्र भगीरथ, पाश्चात्य काव्यशास्त्र, विश्वविद्यालय, प्रकाशन वाराणसी 1988

Course title	**आधुनिक हिन्दी कविता – एक** **Modern Hindi Poetry – I**
Category (Mention the appropriate category (a/b/c) in the course description.)	b. Existing course without changes
Course code	PAPER : BAHINC – 205
Semester	III
Number of credits	04
Maximum intake	20 (on first-come-first-served-basis **for BA courses only**)
Day/Time	Friday 09:00 am to 11:00 am, Thursday 11:00 am to 01:00 pm
Name of the teacher/s	Prof. Shyamrao Rathod
Course description	**Include the following in the course description** **i)** यह पाठ्यक्रम आधुनिक हिंदी कविता के विकासक्रम, प्रमुख काव्यधाराओं तथा उसके सामाजिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक संदर्भों पर केंद्रित है। इसके अंतर्गत भारतेंदु युग से समकालीन काल तक हिंदी कविता के वैचारिक, भावात्मक तथा शिल्पगत विकास, प्रमुख कवियों, काव्य-सौंदर्य का अध्ययन समाहित है। **ii) उद्देश्य :** ● कविता और समाज के अंतर्संबंध से परिचित कराना। ● आधुनिक हिंदी कविता के विकासक्रम एवं प्रमुख काव्यधाराओं का परिचय देना। ● हिंदी नवजागरण एवं उसके साहित्यिक प्रभावों से अवगत कराना। ● कविता के शिल्पगत एवं भाषिक परिवर्तनों की समझ विकसित करना। **पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम) :** ● विद्यार्थी आधुनिक हिंदी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों एवं विशेषताओं को समझेंगे। ● कविता की सामाजिक भूमिका, सांस्कृतिक संदर्भों एवं संवेदना को जानेंगे। ● प्रमुख कवियों एवं काव्यधाराओं के योगदान से परिचित होंगे। ● आधुनिक हिंदी कविता के शिल्प एवं विचार-पक्ष को समझेंगे। **iii) Learning Outcomes:** a) डोमेन स्पेसिफिक आउटकम्स (Domain Specific Outcomes) & b) वैल्यू एडिशन (Value Addition) ● आधुनिक हिंदी कविता के विकासक्रम और उसकी प्रमुख प्रवृत्तियों का विश्लेषण कर सकेंगे। ● प्रमुख काव्यधाराओं एवं कवियों की काव्य-दृष्टि का मूल्यांकन कर सकेंगे। ● कविता के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं वैचारिक पक्ष की समझ विकसित कर सकेंगे। ● आधुनिक हिंदी कविता के शिल्पगत एवं भाषिक वैशिष्ट्यों को जान पाएँगे। **इकाई 1:** ● आधुनिक हिन्दी कविता की पृष्ठभूमि। ● भारतेंदु हरिश्चंद्र व्यक्तित्व एवं साहित्यिक अवदान। ● भारतेंदु हरिश्चंद्र और उनकी कविता 'निज भाषा उन्नति अहै' - व्याख्या एवं विश्लेषण। ● मैथिलीशरण गुप्त व्यक्तित्व एवं साहित्यिक अवदान। ● मैथिलीशरण गुप्त और उनकी कविता। ● 'नर हो न निराश करो मन को' व्याख्या एवं विश्लेषण। **इकाई 2:** ● छायावादी कविता का वैशिष्ट्य। ● जयशंकर प्रसाद और उनकी कविता 'अरुण यह मधुमय देश हमारा' व्याख्या एवं विश्लेषण ● सूर्यकांत त्रिपाठी निराला और उनकी कविता 'जागो फिर एक बार' व्याख्या एवं विश्लेषण।

	• सुमित्रानंदन पंत और उनकी कविता 'प्रथम रश्मि' व्याख्या एवं विश्लेषण। **इकाई 3:** • महादेवी वर्मा और उनकी कविता 'जाग तुझको दूर जाना' व्याख्या एवं विश्लेषण। • सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' का साहित्यिक अवदान और उनकी कविता 'नदी के द्वीप' व्याख्या एवं विश्लेषण। • नागार्जुन और उनकी कविता 'अकाल और उसके बाद' व्याख्या एवं विश्लेषण। **इकाई 4:** • भवानी प्रसाद मिश्र और उनकी कविता 'गीत फरोश' व्याख्या एवं विश्लेषण। • गजानन माधव मुक्तिबोध और उनकी कविता 'भूल-ग़लती' व्याख्या एवं विश्लेषण। • रघुवीर सहाय और उनकी कविता 'भाषा का युद्ध' व्याख्या एवं विश्लेषण।
Course delivery	Lecture/Seminar/Experiential learning: • आधुनिक हिन्दी कविता की पृष्ठभूमि। • छायावादी कविता का वैशिष्ट्य। • नागार्जुन और उनकी कविता 'अकाल और उसके बाद' व्याख्या एवं विश्लेषण।
Evaluation scheme	Internal (modes of evaluation): 40 % [Assignment (20), {Presentation (10), Class test (10) and Viva (10)} best of Two] End-semester (mode of evaluation): 60% Final Exam
Reading list	**Essential reading** 1. भारतेंदु : समग्र, संपादन हेमंत शर्मा हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी 2. प्रसाद जयशंकर : चंद्रगुप्त नई दिल्ली, राजकमल प्रकाशन **Additional reading: संदर्भ ग्रंथ** 3. निराला सूर्यकांत त्रिपाठी : राग-विराग, नई दिल्ली, राजकमल प्रकाशन 4. अज्ञेय : रचनावली, संपादक, कृष्णादत्त पालीवाल, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन 5. नागार्जुन : रचनावली, संपादक, शोभाकान्त, नई दिल्ली, राजकमल प्रकाशन 6. शर्मा, सुरेश : रघुवीर सहाय का कवि कर्म, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 7. चतुर्वेदी, रामस्वरूप : अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 8. त्रिपाठी, चंद्रकला : अज्ञेय और नयी कविता, संजय प्रकाशन, वाराणसी 9. सिंह, नामवर : कविता के नये प्रतिमान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

Course title	**हिन्दी उपन्यास** **Hindi Novel**
Category (Mention the appropriate category (a/b/c) in the course description.)	c. Existing course with revision. Mention the percentage of revision and highlight the changes made. 50%
Course code	PAPER : BAHINC – 210
Semester	III
Number of credits	04
Maximum intake	20 (on first-come-first-served-basis **for BA courses only**)
Day/Time	Monday 09:00 am to 11.00 am & Wednesday11.00 am to 01.00 pm
Name of the teacher/s	Prof. T.J. Rekha Rani
Course description	**Include the following in the course description:**

	i) यह पाठ्यक्रम हिंदी उपन्यास के विकास, उसकी प्रमुख प्रवृत्तियों तथा सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भों के विश्लेषण पर केंद्रित है। इसके अंतर्गत स्वातंत्र्य-पूर्व से समकालीन काल तक हिंदी उपन्यास के सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक आदि परिदृश्यों, मानवीय मूल्यों, प्रमुख उपन्यासकारों तथा उपन्यास-प्रवृत्तियों को समाहित किया गया है। **ii) उद्देश्य:** ● उपन्यास विधा के विकास एवं नवजागरण से उसके संबंध को समझाना। ● उपन्यास की शिल्पगत विविधता एवं अभिव्यक्ति-क्षमता से परिचित कराना। ● उपन्यास की सैद्धांतिक पृष्ठभूमि एवं विकासक्रम का ज्ञान प्रदान करना। ● समाज, राष्ट्रवाद और उपन्यास के अंतर्संबंधों के प्रति विश्लेषणात्मक दृष्टि विकसित करना। **पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम) :** ● विद्यार्थी हिंदी उपन्यास की प्रमुख प्रवृत्तियों एवं विकासक्रम का परिचय प्राप्त करेंगे। ● उपन्यास की संरचना एवं शिल्प की कथात्मक विशेषताओं से परिचित होंगे। ● प्रमुख सामाजिक, सांस्कृतिक एवं वैचारिक विमर्शों को समझेंगे। ● विद्यार्थी हिंदी उपन्यास और समाज के अंतर्संबंधों की समझ विकसित करेंगे। **iii) Learning Outcomes :** a) डोमेन स्पेसिफिक आउटकम्स (Domain Specific Outcomes) & b) वैल्यू एडिशन (Value Addition) & c) स्किल एनहांसमेंट (Skill Enhancement) ● हिंदी उपन्यास के इतिहास एवं उसकी विकास-धारा को समझ सकेंगे। ● स्त्री अस्मिता, दलित चेतना तथा अन्य समकालीन विमर्शों का विश्लेषण कर सकेंगे। ● उपन्यासों के माध्यम से सामाजिक एवं मानवीय यथार्थ का आलोचनात्मक अध्ययन कर सकेंगे। ● उपन्यास की शिल्पगत विशेषताओं एवं कथन-प्रविधियों का विश्लेषण कर सकेंगे। ● उपन्यासों में निहित सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों को समझ सकेंगे। **इकाई-1 :** हिंदी उपन्यास उद्भव एवं विकास 1. प्रेमचंदपूर्व हिंदी उपन्यास 2. प्रेमचंदयुगीन हिंदी उपन्यास 3. प्रेमचंदोत्तर हिंदी उपन्यास चयनित उपन्यासों की व्याख्या एवं विश्लेषण **इकाई-2 :** निर्मला - प्रेमचंद **इकाई-3 :** तमस - भीष्म साहनी **इकाई-4 :** दिव्या – यशपाल **इकाई-5 :** महाभोज - मन्नू भंडारी **इकाई-6 :** आँखों की दहलीज - मेहरुन्निसा परवेज़
Course delivery	Lecture/Seminar/Experiential learning: ● प्रेमचंदयुगीन हिंदी उपन्यास ● प्रेमचंदोत्तर हिंदी उपन्यास
Evaluation scheme	Internal (modes of evaluation): 40 % [Assignment (20), {Presentation (10), Class test (10) and Viva (10)} best of Two] End-semester (mode of evaluation): 60% Final Exam
Reading list	**Essential reading : संदर्भ ग्रंथ**

	1. राय, गोपाल : हिन्दी उपन्यास का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 2014 2. मधुरेश : हिन्दी उपन्यास का विकास, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली. 3. तिवारी, रामचन्द : हिन्दी गद्य का इतिहास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2019 **Additional reading : संदर्भ ग्रंथ** 1. चतुर्वेदी, रामस्वरूप : गद्य विन्यास और विकास, लोकभारती प्रयागराज, 2018 2. श्रीवास्तव, गरिमा : उपन्यास का समाजशास्त्र, संजय प्रकाशन, नई दिल्ली 3. सिंह, विजय मोहन : बीसवीं शताब्दी का हिंदी साहित्य 4. सिंह, विजय मोहन : आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य का विकास और विश्लेषण 5. अजय आनंद, विनोद तिवारी : उपन्यास कला और सिद्धांत

Course title	**हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार** **Journalism and Mass Communication**
Category (Mention the appropriate category (a/b/c) in the course description.)	d. Existing course with revision. Mention the percentage of revision and highlight the changes made. 50%
Course code	PAPER : BAHINC 215
Semester	III
Number of credits	03
Maximum intake	20 (on first-come-first-served-basis **for BA courses only**)
Day/Time	Tuesday 09.00 am to11.00 am, Monday 11.00 am to 1.00 pm
Name of the teacher/s	Dr. Promila
Course description	**Include the following in the course description:** i) यह पाठ्यक्रम हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार के स्वरूप, विकास, कार्यप्रणाली तथा सामाजिक सरोकारों पर केंद्रित है। इसके अंतर्गत समाचार-लेखन, संपादन, प्रेस कानून, पत्रकारिता की नैतिकता तथा मीडिया के सामाजिक दायित्व एवं व्यावसायिक पक्ष का सम्यक् विवेचन समाहित है। **ii) उद्देश्य :** ● पत्रकारिता एवं जनसंचार की प्रकृति, स्वरूप तथा विकासक्रम से अवगत कराना। ● समाचार-लेखन, संपादन एवं रिपोर्टिंग की समझ विकसित करना। ● प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं डिजिटल मीडिया की संरचना एवं कार्यप्रणाली का ज्ञान प्रदान करना। ● मीडिया की नैतिकता एवं सामाजिक भूमिका के प्रति संवेदनशील दृष्टि विकसित करना। **पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम) :** ● हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार के स्वरूप, विकास एवं सामाजिक भूमिका को समझेंगे। ● समाचार-लेखन एवं संपादन की मूलभूत अवधारणाओं से परिचित होंगे। ● विभिन्न मीडिया माध्यमों की कार्यप्रणाली की समझ विकसित करेंगे। ● पत्रकारिता की नैतिकता एवं प्रेस कानूनों की जानकारी अर्जित करते हुए लोकतंत्र और जनमत-निर्माण में मीडिया की भूमिका को समझेंगे। **iii) Learning Outcomes :** c) स्किल एनहांसमेंट (Skill Enhancement) & d) एम्प्लॉयबिलिटी क्वोशिएंट (Employability Quotient) ● हिंदी पत्रकारिता के सिद्धांतों एवं व्यवहार का अनुप्रयोग कर सकेंगे। ● समाचार-लेखन, संपादन एवं रिपोर्टिंग के मूल कौशल अर्जित कर सकेंगे।

	• विभिन्न जनसंचार माध्यमों की कार्यप्रणाली का विश्लेषण कर सकेंगे। • लोकतंत्र में मीडिया के विभिन्न रूपों की भूमिका का मूल्यांकन कर सकेंगे। **इकाई-1:** • पत्रकारिता का स्वरूप और प्रमुख प्रकार। • विश्व पत्रकारिता का उदय। भारत में पत्रकारिता का आरंभ। • हिंदी पत्रकारिता का उद्भव और विकास। समाचार पत्रकारिता के मूल तत्व संकलन तथा लेखन के मुख्य आयाम। **इकाई-2:-** • संपादन कला के सामान्य सिद्धांत- शीर्षकीकरण, पृष्ठ विन्यास, आमुख और समाचार पत्र की प्रस्तुति प्रक्रिया। • समाचार पत्रों के विभिन्न स्तंभों की योजना। • दृश्य सामग्री (कार्टून, रेखाचित्र) की व्यवस्था और फोटो पत्रकारिता। • समाचार के विभिन्न स्रोत। • संवाददाता की अर्हता, श्रेणी एवं कार्य पद्धति। **इकाई -3:-** • विभिन्न जनसंचार माध्यम। • इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की पत्रकारिता रेडियो, टीवी, इंटरनेट की पत्रकारिता। • प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रण कला, प्रूफ शोधन, लेआउट तथा पृष्ठ सज्जा। • पत्रकारिता प्रबंधन प्रशासनिक व्यवस्था, बिक्री तथा वितरण व्यवस्था। **इकाई-4:-** • जनसंपर्क तथा विज्ञापन। • प्रेस संबंधी प्रमुख कानून तथा आचार संहिता। • लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में पत्रकारिता की भूमिका।
Course delivery	Lecture/Seminar/Experiential learning: • हिंदी पत्रकारिता का उद्भव और विकास। • लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में पत्रकारिता की भूमिका।
Evaluation scheme	Internal (modes of evaluation): 40 % [Assignment (20), {Presentation (10), Class test (10) and Viva (10)} best of Two] End-semester (mode of evaluation): 60% Final Exam
Reading list	**Essential reading: संदर्भ ग्रंथ** • मोहन अरविंद : पत्रकार और पत्रकारिता प्रशिक्षण • सुभाष धूलिया : आनंद प्रधान, पत्रिका समाचार • मोहन, डॉ. हरि : समाचार, फीचर लेखन एवं संपादन कला **Additional reading : संदर्भ ग्रंथ** • शर्मा, श्यामसुंदर : समाचार पत्र, मुद्रण और साज सज्जा • नारायणन के.पी. : संपादन कला • त्रिखा, डॉ नंदकिशोर : समाचार संकलन और लेखन • तिवारी, डॉ. अर्जुन : आधुनिक पत्रकारिता।

	• तिवारी, डॉ. अर्जुन : हिंदी पत्रकारिता का वृहद इतिहास। • शर्मा, डॉ. कुमुद : भूमंडलीकरण और मीडिया। • वैदिक, वेद प्रताप : हिंदी पत्रकारिता के विविध आयाम। • चतुर्वेदी, जगदीश्वर : हिंदी पत्रकारिता के इतिहास की भूमिका • मिश्र, कृष्ण बिहारी : हिंदी पत्रकारिता